



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 462]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 15, 2007/आश्विन 23, 1929

No. 462]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 15, 2007/ASVINA 23, 1929

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2007

सा.का.नि. 661(अं).—केन्द्रीय सरकार, सिक्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित सिक्के के अंकित मूल्य, आकार, डिजाइन और संरचना को अवधारित करती है अर्थात् :—

(क) “लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की 150वीं जयंती” के स्मरणोत्सव में केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार के अधीन जारी करने के लिए एकसाल में पांच रुपए के सिक्कों का निर्माण भी किया जाएगा;

(ख) पांच रुपए के अंकित मूल्य के सिक्के, नीचे सारणी में यथाविनिर्दिष्ट विमाओं, डिजाइन और धातु संरचना के अनुरूप होंगे अर्थात् :—

सारणी

सिक्के का अंकित मूल्य	आकार और बाह्य व्यास	धातु संरचना
(1)	(2)	(3)
पांच रुपए	गोल 23 मिलीमीटर सुरक्षा किनारे सहित	फेरेटिक स्टेनलेस स्टील लौह-83% क्रोमियम -17%

(ग) पांच रुपए का सिक्का निम्नलिखित डिजाइन के भी अनुरूप होगा, अर्थात् :—

(i) मुख भाग

सिक्के के मुख भाग पर केन्द्र में अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष

होगा जिसके नीचे “सत्यमेव जयते” इबारत अंतर्लिखित होगी, उसकी ऊपरी बाईं परिधि पर हिन्दी में “भारत” शब्द और ऊपरी दाईं परिधि पर अंग्रेजी में “INDIA” शब्द होगा। इस पर अंतर्राष्ट्रीय अंकों में अंकित मूल्य “5” भी होगा और निचली बाईं परिधि पर हिन्दी में “रुपए” शब्द और निचली दाईं परिधि पर अंग्रेजी में “RUPEES” लिखा होगा। परिधि पर 52 मनके होंगे।

(ii) पृष्ठ भाग

सिक्के के इस भाग पर लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का चित्र होगा ऊपरी परिधि में “लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की 150वीं जयंती” हिन्दी में तथा निचली परिधि में “150th BIRTH ANNIVERSARY OF LOKMANYA BAL GANGADHAR TILAK” अंग्रेजी में अंतर्लिखित होगा।

(iii) 5 रुपए के सिक्के लिए सुरक्षा किनारा

सिक्के के किनारे में परिधि पर सुरक्षा किनारा होगा। किनारे के मध्य में रिक्त जगहों द्वारा पृथक किए हुए दो खंडों के अंदर की ओर डिजाइन में उथला खांचा होगा। इस डिजाइन में उभार में मनकों की श्रृंखला अंतर्विष्ट होगी और प्रत्येक मनका उभार में झुकी हुई एक पंक्ति द्वारा अनुगम किए होगा। इसमें कुल 30 पंक्तियां और 30 मनके होंगे।

[फा. सं. 7/21/2006-सिक्का II (भाग)]

अशोक अजमानी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, 4th October, 2007

G.S.R. 661(E)—In exercise of the powers conferred by Section 6 of Coinage Act 1906, (3 of 1906), the Central Government hereby determines the denomination,

dimension, design and composition of the following coin; namely:—

- (a) the coin of Five Rupee denomination shall also be coined at the Mint for issue under the authority of the Central Government in commemoration of “150th BIRTH ANNIVERSARY OF LOKMANYA BAL GANGADHAR TILAK”;
- (b) the coin of Five Rupees denomination shall conform to the following dimension, and composition, as specified in the Table below namely:—

TABLE

Denomination of the coin	Shape and outside diameter	Metal Composition
(1)	(2)	(3)
Five Rupees	Circular 23 millimeters with security edge	Ferritic Stainless Steel Containing— Iron—83% Chromium—17%

(c) the coin of Five Rupees shall also conform to the following design, namely:—

(i) OBVERSE

This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar with the legend “सत्यमेव जयते”. inscribed

below, flanked on the left upper periphery with the word “भारत” in Hindi and on the right upper periphery flanked with the word “India” in English. It shall also bear the denominational value “5” in international numerals below the Lion Capital flanked on the left lower periphery with the word “रुपये” in Hindi and on the right lower periphery with the word “Rupees” in English. There shall be 52 beads on the periphery.

(ii) REVERSE

This face of the coin shall bear the portrait of Lokmanya Bal Gangadhar Tilak flanked on the upper periphery with “लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की 150 वीं जयंती” inscribed in Hindi and on the lower periphery “150th BIRTH ANNIVERSARY OF LOKMANYA BAL GANGADHAR TILAK” in English.

(iii) SECURITY EDGE FOR 5 RUPEES

The edge of the coin shall have security edge on periphery. At the center of the edge there shall be shallow groove with a design inside the two sections separated by blank spaces. This design shall consist of chain of beads in relief and each bead being followed by one inclined line in relief. There shall be total 30 lines and 30 beads.

[F. No. 7/21/2006-Coin. II (Pt)]

ASHOK AJMANI, Under Secy.